लय ताल से खन

घुँघरू

कथक की आकर्षक मुद्रा में नृत्यांगना महुआ शंकर व भरत नाट्यम् पेश करतीं श्वेता प्रचंडे

घुँघरुओं की छ
छन, खन-खन,
तबले की थाप
थिरकते हुए स
कदम। कानों मे
घोलते इन्हीं सु
और मनोहारी
शास्त्रीय नृत्यों
साथ शुक्रवार
नृत्य समारोह
'घुँघरू' का
शुभारंभ हुआ।
के कलाप्रेमियों
लिए यह समारो
किसी सौगात
कम नहीं है...

दो दिवसीय नृत्य समारोह की शुरुआत

दो दिवसीय नृत्य समारोह के पहले दिन महुआ शंकर ने कथक और श्वेता प्रचण्डे ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी। महुआ शंकर ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत अर्धनारीश्वर से की। उनका कुशल अंगसंचालन हर भाव को बहुत ही सुंदरता से व्यक्त कर रहा था। महुआ का साथ देने के लिए तबले पर बनारस से आए अंबिका प्रसाद मिश्र और सारंगी पर गुलाम वारिस मौजूद थे। नृत्य के लिए स्वर दिया महुआ की बहन नुपुर शंकर ने।

तीन ताल, सोलह मात्रा

तबले की थाप पर कदमों की थिरकन और उससे उत्पन्न हुई घुँघरुओं की कर्णप्रिय आवाज ने दर्शकों को अपने सम्मोहन में बांध लिया। तीन ताल, सोलह मात्रा नामक इस प्रदर्शन में वाद्य यंत्र और नर्तक के बीच अद्भुत तालमेल देखने को मिला। कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुति दे चुकी इस नृत्यांगना ने अपने नृत्य कौशल से दर्शकों को अंत तक बांधे रखा।

वादक अंबिका प्रसाद मिश्रा ने भी दर्शकों के सामने अपनी कला का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने नृत्य के अलावा अलग से भी तबले की थाप से मानस भवन और वहां मौजूद मानस मन को गुंजायमान किया। उनके तबला वादन के पूरे शबाब पर आते ही दर्शक श्रोता बन गए और आंखें मूंदकर तबले की थाप में खो गए।

भरतनाट्य भी रहा खूब

उद्घाटन समारोह की दूसरी पेशक
श्वेता प्रचण्डे का भरतनाट्यम नृत्य। इ
के प्रारंभ होने तक हालाकि मानस भव
दर्शकों से खाली हो चुका था फिर भी
कलाकार ने अपनी प्रस्तुति से वहां मौ
कलाप्रेमियों की खूब प्रसंशा प्राप्त की
संचालन में महारत भरे इस प्रदर्शन ने
युग में भी शास्त्रीय नृत्य के जीवित हो
संकेत दिया।

दर्शकों की कमी अखरी

समारोह यूं तो शास्त्रीय नृत्य परंपर
शहर वासियों को परिचित कराने का
प्रयास था लेकिन शहर वासियों ने इस
उदासीनता ही दिखाई। कार्यक्रम के मु
अतिथि स्वाथ्य मंत्री अजय विश्नोई ने
अपने संबोधन में कहा कि वैसे तो यह
संस्कारधानी कहा जाता है लेकिन आ
यहां सस्कारों की बात हो रही है तब
इतनी कम उपस्थिति चिंताजनक है। इ
श्री विश्नोई, महापौर सुशीला सिंह ने